वीर दुर्गादास राठौड़

☆ जन्म - 1638, सालवा कला गाँव(जोधपुर ग्रामीण) ☆ पिता- आसकरण ☆ माता- नेतकँवर
☆ पालन पोषण - लुनावा गाँव में ☆ उपनाम - राठौड़ो का यूलीसेस (कर्नल जेम्स टॉड ने कहा), मारवाड़ का अनबिन्दिया मोती

- मारवाड़ के शासक अजीत सिंह को औरंगज़ेब से बचाकर मारवाड़ की गद्दी पर बिठाने में अहम भूमिका
- दुर्गादास राठौड़ की छतरी- उज्जैन(क्षिप्रा नदी के किनारे)
- 25 अगस्त 2003 में भारत सरकार ने इन पर सिक्के जारी किए
- 16 अगस्त 1988 को इन पर 60 paise का डाक टिकिट जारी
- 1893 में AH मूलर द्वारा इन पर बनायी पेंटिंग मेहरानगढ़ संग्रहालय में लगी हुई है।
- सालवाँ कला गाँव में इनकी 12 फिट ऊँची व 1400 किलो वज़नी अष्टधातु की मूर्ति लगी हुई है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 159

नवनियुक्त मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा

पिता - किशन स्वरूप शर्मा
मूल निवासी - लोहागढ़, भरतपुर
शिक्षा - एम ए (राजनीति विज्ञान)
विधायक - सांगानेर से

प्रतिद्वंदी - पुष्पेन्द्र भारद्वाज
जीत का अंतर - 48081 मत
अनुभव - 35 वर्ष की सक्रिय राजनीति

सियासी सफ़र -

- वर्ष 2000 से 2005 तक नदबई की अटारी ग्राम पंचायत के सरपंच रहे
- 2008 में निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़े लेकिन जीत न सके
- 2010 से 2015 तक पंचायत समिति अटारी के पंचायत समिति सदस्य रहे
- 2014 में भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे
- 2016 से भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के प्रदेश महामंत्री रहे
- वर्तमान में राजस्थान के क्रम से 26 वे और व्यक्तिगत रूप से 14 वे मुख्यमंत्री के रूप में 15 दिसंबर को शपथ ली

ध्यान देने योग्य बात
- *संविधान के अनुच्छेद 164(1) में राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति का उल्लेख है
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति बहुमत दल के नेता के रूप में राज्यपाल द्वारा की जाती है

राजस्थान के नये उपमुख्यमंत्री

दिया कुमारी

राजस्थान के छठी उपमुख्यमंत्री
राजस्थान की दूसरी महिला उपमुख्यमंत्री
2023 विधानसभा चुनाव में सबसे ज़्यादा अंतर से जीतकर विधाधर नगर से विधायक

प्रेमचंद बैरवा

राजस्थान के सातवें उपमुख्यमंत्री
राजस्थान के दूदू विधानसभा से विधायक

GGD OPD FACTS 160

उपमुख्यमंत्री

- उपमुख्यमंत्री का पद संवैधानिक पद नही होता है।
- उपमुख्यमंत्री का दर्जा कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है तथा कैबिनेट मंत्री के समान ही वेतन भत्ते मिलते है।
- इनकी नियुक्ति आमतौर पर मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है।
- राजस्थान में अब तक 7 उपमुख्यमंत्री बनाये जा चुके है।
- 16 वीं विधानसभा में दो उपमुख्यमंत्री बनाये गये।

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री

- टीकाराम पालीवाल (INC) - 1 नवम्बर 1952 से 13 नवम्बर 1954
- हरिशंकर भाभड़ा (BJP) - 4 दिसम्बर 1993 से 30 नवम्बर 1998
- बनवारी लाल बैरवा (INC) - 19 मई 2002 से 4 दिसम्बर 2003
- कमला बेनीवाल (INC) - 12 जनवरी 2003 से 4 दिसम्बर 2003
- सचिन पायलट (INC) - 17 दिसम्बर 2018 से 14 जुलाई 2020
- दीया कुमारी (BJP) - 15 दिसम्बर 2023 को शपथ लेंगी।
- प्रेमचंद बैरवा (BJP) - 15 दिसम्बर 2023 को शपथ लेंगे।

दीया कुमारी जन्म - 30 जनवरी 1971
वर्ष 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक
वर्ष 2019 में राजसमंद से लोकसभा सांसद
वर्ष 2023 में विधाधर नगर से विधायक
वर्तमान में उपमुख्यमंत्री

प्रेमचंद बैरवा जन्म - 31 अगस्त 1969
वर्ष 2013 में दूदू से विधायक
वर्ष 2023 में दुदू से विधायक व उपमुख्यमंत्री
बाबूलाल नागर को 35,743 वोटो से हराया।

GGD OPD FACTS 161

राज्य विधानसभा

अनु. 170 - राज्य विधानसभा का गठन
अधिकतम सदस्य संख्या - 500 ✧ न्यूनतम सदस्य संख्या - 60

अनु. 332 - विधानसभा में एस.सी./एस.टी को आरक्षण राजस्थान में विधानसभा सीटें - 200
अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित - 34 ✧ अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित - 25
नोट: 104 वें संविधान संशोधन अधिनियम 2016 द्वारा आरक्षण को 25 जनवरी 2030 तक बढ़ा दिया गया।

अनु. 172 - विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष तक होगा।

अनु. 174 - मुख्यमंत्री की सलाह से राज्यपाल विधान-सभा को समय से पूर्व भंग कर सकता है।
नोट: अनु. 352 के तहत लागू आपातकाल में विधानसभा की अवधि एक वर्ष तक संसद द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

अनु. 173 - विधानसभा सदस्यों की योग्यता ✧ न्यूनतम आयु - 25 वर्ष

अनु. 188 - विधानसभा के सदस्यों को शपथ राज्यपाल या राज्यपाल द्वारा नामित व्यक्ति अर्थात् प्रोटेम स्पीकर द्वारा।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 162

प्रमुख अंतर-राज्यीय जल विवाद (ISWD)

GGD OPD FACTS 163

1857 की क्रांति और राजस्थान

28 मई, 1857 - नसीराबाद में विद्रोह
31 मई, 1857 - भरतपुर राज्य में विद्रोह
03 जून, 1857 - नीमच में विद्रोह
4-5 जून, 1857 - देवली छावनी में विद्रोह
14 जून, 1857 - टोंक राज्य में विद्रोह
11 जुलाई, 1857 - अलवर राज्य में विद्रोह
9 अगस्त, 1857, - अजमेर के केंद्रीय कारागार में विद्रोह

21 अगस्त, 1857 - एरिनपुरा के सैनिकों का विद्रोह
23 अगस्त, 1857 - जोधपुर लीजियन में विद्रोह
8 सितम्बर, 1857 - बिथोड़ा युद्ध
18 सितम्बर 1857 - चेलावास का युद्ध
12/27 अक्टूबर, 1857 - धौलपुर राज्य में विद्रोह
15 अक्टूबर, 1857 - कोटा में विद्रोह

राजस्थान में क्रांति के समय छावनियों की संख्या-06
01 - एरिनपुरा 03 - नीमच 05 - देवली
02 - नसीराबाद 04 - ब्यावर 06 - खेरवाड़ा
ट्रिक - ऐ नन्नी ब्याह देखन चली

GGD OPD FACTS 164 मुख्यमंत्री व मंत्रीपरिषद्

- अनुच्छेद - 163 - राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रीपरिषद् होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।
- अनुच्छेद - 164 - राज्यपाल विधानसभा में बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है।
- शपथ व त्याग पत्र - राज्यपाल नोट: मंत्रियों को शपथ राज्यपाल या राज्यपाल द्वारा नामित व्यक्ति द्वारा दिलाई जाती है। (शपथ का उल्लेख तीसरी अनुसूची में है।)
- कार्यकाल : सामान्यत: 5 वर्ष
- पद से हटाने की प्रक्रिया : विधानसभा के सदस्यों के द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाकर।
- मंत्रियों के वेतन भत्ते राज्य की संचित निधि कोष पर भारित।
- 91 वां संविधान संशोधन 2003 के तहत राज्य मंत्री परिषद् में मंत्रियों की अधिकतम संख्या मुख्यमंत्री सहित विधानसभा सीटों का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।
- नोट: मंत्रिपरिषद् की न्यूनतम संख्या मुख्यमंत्री सहित 12 होनी चाहिए।
- राजस्थान विधानसभा में मंत्रीपरिषद् की अधिकतम संख्या 30 हो सकती है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 165 खेलों इण्डिया पैरा गेम्स

- आयोजन : 10 दिसम्बर 2023 से 17 दिसम्बर 2023 तक
- आयोजन स्थल : नई दिल्ली (नेहरू स्टेडियम, डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज व इन्दिरा गांधी स्टेडियम)
- संस्करण : प्रथम शुभंकर : उज्ज्वला (गौरैया)
- प्रथम खेलों इण्डिया पैरा गेम्स में शामिल खेल : 07
  - पैरा एथलेटिक्स
  - पैरा शूटिंग
  - पैरा टेबल टेनिस
  - पैरा वेट लिफ्टिंग
  - पैरा तीरंदाज
  - पैरा फुटबॉल
  - पैरा बैडमिंटन

  नोट: प्रथम खेलों इण्डिया पैरा गेम्स में देश के कुल 1450 पैरा एथलीटों ने भाग लिया।

- थीम : Champion Beyond Limits
- प्रथम खेलों इण्डिया पैरा गेम्स में सर्वाधिक पदक हरियाणा ने 105 पदक (40 स्वर्ण, 39 रजत पदक व 26 कांस्य पदक) जीते
- राजस्थान पदक तालिका में छठे स्थान पर रहा (43 पदक) (10 स्वर्ण, 20 रजत पदक व 13 कांस्य पदक)
- खेलो इण्डिया पहल के तहत अब तक पांच खेलों इण्डिया यूथ गेम्स, तीन खेलों इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स और तीन खेलों इण्डिया विण्टर गेम्स आयोजित किए जा चुके हैं।

GGD OPD FACTS 166

2023 में राजस्थान राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

महावीर सैनी

- इनको वर्ष 2023 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के तहत द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- यह गोल्ड मैडलिस्ट पैरा एथलीट सुन्दर सिंह गुर्जर के कोच है।
- इन्हें वर्ष 1997-99 में गुरु वशिष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

- गुरु वशिष्ठ पुरस्कार : यह पुरस्कार राजस्थान में खेल प्रशिक्षक को दिया जाने वाला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 1985-86 में की गई थी।
- इस पुरस्कार के तहत 5 लाख रुपये की इनामी राशि दी जाती है।

नोट: 9 जनवरी 2024 को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्वारा दिव्यकृति सिंह को अर्जुन अवार्ड व महावीर प्रसाद सैनी को द्रोणाचार्य अवार्ड दिया गया।

- चिराग चन्द्रशेखर शेट्टी व रंकी रेड्डी सात्विक साई राज को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। इन दोनों खिलाड़ियों का संबंध बैडमिंटन से है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 167

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023

- साहित्य अकादमी ने 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा 20 दिसम्बर 2023 को की।
- यह पुरस्कार भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के लेखकों के साथ अंग्रेजी व राजस्थानी भाषा के लेखकों को दिया जाता है। अर्थात 24 भाषाओं के लेखकों को दिया जाता है।

- साहित्य अकादमी पुरस्कार दूसरा सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान है। पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार है।
- साहित्य अकादमी पुरस्कार के अन्तर्गत 1 लाख रुपयें की राशि प्रदान की जाती है।
- पहली बार साहित्य अकादमी पुरस्कार 1955 ई. में दिए गए।

- वर्ष 2023 का राजस्थानी भाषा का साहित्य अकादमी पुरस्कार डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित को दिया जायेगा।
- डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित को उनकी राजस्थानी काव्य कृति "पळकती प्रीत" के लिया दिया जायेगा।
- डॉ. गजेसिंह वर्तमान में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग के विभागाध्यक्ष है।

- संजीव को उनके उपन्यास "मुझे पहचानो" के लिए हिंदी भाषा का साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 दिया जायेगा।
- नीलम शरण गौर को उनके उपन्यास "रेक्युम इन रागा जानकी" के लिए अंग्रेजी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 दिया जाएगा।

GGD OPD FACTS 168 CASTRATION बधियाकरण

नर पशुओ को प्रजनन शक्ति विहीन करना बधियाकरण कहलाता है।
आवश्यक सामग्री व उपकरण - पशु, रस्सी, बडजोकास्ट्रेटर, इलेस्ट्रेटर, रबर के छल्ले, शल्य चिकित्सा में काम आने वाले उपकरण व अन्य सामग्री।

पशुओ को बधिया करने की विधियाँ-
1.देशी/ग्रामीण विधि - डेढ़-दो वर्ष की आयु पर पशुओं को गिराकर लकड़ी व पत्थरो से अंडकोषों को तोड़ कर बधिया करना (अमानवीय विधि आजकल अनुपयोगी)
2. वैज्ञानिक विधि- (अ) बडजोकास्ट्रेटर- सबसे उपयुक्त विधि इटली के वैज्ञानिक बर्डीजो ने अविष्कार किया अत बर्डीजोकास्ट्रेटर नाम पड़ा।
(ब) एलेस्ट्रेटर द्वारा - बकरे, मेमने व कम आयु के बछड़ो को बधिया किया जाता है। रबर के छल्ले को एलेस्ट्रेटर की सहायता से अंडकोष पर चढ़ा कर बधिया करते है।
(स) चीरा लगाकर वर्षण निकालना - मेमनो व सूअर मे बधिया हेतु उपयोगी विधि।

बधियाकरण हेतु महत्वपूर्ण ऋतू-
सर्दी- पशुओ को बधिया करने की आयु- कृषि कार्य हेतु तैयार बैल का बधिया 1.5 से 2 वर्ष की आयु पर |
मांस प्राप्ति हेतु पाले गये बकरी या भेड़ के बच्चो को 2-3 माह पर व सूअर को 1.5-2 माह की आयु में बधिया करते है।
नोट- रसायन विधि से भी बधियाकरन करते है जिसमे स्टिलबेस्ट्रोल (सिंथेटिक फीमेल सेक्स हार्मोन) व तलसूर रसायन काम मे लेते है।

बधियाकरण की आवश्यकता-
(1) प्रजनन शक्ति का उपयोग अन्य लाभदायक कार्य मे करने हेतु।
(2) नियोजित प्रजनन नस्ल सुधार हेतु। (3) मांस प्राप्ति हेतु।
(4) प्रजनन संबंधी रोगो से बचाने हेतु। (5) पशुओ को सहनशील बनाने हेतु।

बधियाकरण करते समय सावधानिया-
पशुओ को बधिया करते समय पूर्ण रूप से काबू में करना।
यदि पशु चोटिल या घाव से ग्रसित है तो पुरी तरह ठीक होने के बाद बधिया करते है। चीरा लगाकर बधिया करने पूर्व स्प्रिंट से उस स्थान को जीवाणु रहित करना। सभी यंत्र, उपकरण को जीवाणु रहित करना।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 169 राजस्थान में विकसित भारत संकल्प यात्रा

- **शुभारंभ -** 16 दिसम्बर 2023
- **अभियान -** 16 दिसंबर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक
- **शुभारंभकर्त्ता -** श्री नरेन्द्र मोदी (वर्चुअल शुभारंभ)
- **स्थान -** महारानी कॉलेज (जयपुर)
- **उद्देश्य -** केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहूंचाना

- **नवचेतना अभियान का शुभारंभ** - उदयपुर इसका संबंध नशा निवारण से है।
- **पुनित सागर अभियान** - कोटा
- **ऑपरेशन नकासी व ऑपरेशन जैकपॉट** - विधानसभा चुनावों के दौरान अवैध शराब की तस्करी व मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने हेतु अभियान।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 170

राजस्थान में विकसित भारत संकल्प यात्रा

- **शुभारंभ -** 16 दिसम्बर 2023
- **अभियान -** 16 दिसम्बर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक
- **शुभारंभकर्त्ता -** श्री नरेन्द्र मोदी (वर्चुअल शुभारंभ)
- **स्थान -** महारानी कॉलेज (जयपुर)
- **उद्देश्य -** केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहूंचाना
  - **नवचेतना अभियान का शुभारंभ** - उदयपुर इसका संबंध नशा निवारण से है।
  - **पुनित सागर अभियान** - कोटा
  - **ऑपरेशन नकासी व ऑपरेशन जैकपॉट** - विधानसभा चुनावों के दौरान अवैध
  - **शराब की तस्करी व मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने हेतु अभियान।**

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 171

1946 में संविधान निर्मात्री सभा में राजस्थान के मनोनीत सदस्य

नाम	रियासत	नाम	रियासत
हीरालाल शास्त्री	जयपुर	मुकुट बिहारी भार्गव	अजमेर-मेरवाड़ा
बलवंत सिंह मेहता	उदयपुर	जसवंत सिंह	बीकानेर
माणिक्यलाल वर्मा	उदयपुर	गोकुल लाल असावा	शाहपुरा
सरदार सिंह	खेतड़ी	दलेल सिंह	कोटा
राज बहादुर	भरतपुर	रामचन्द्र उपाध्याय	अलवर
जयनारायण व्यास	जोधपुर		

संविधान सभा के सदस्य जो राजस्थान की रियासतों में प्रशासनिक अधिकारी थे।

☆ सर वी.टी. कृष्णमाचारी	जयपुर	☆ सरदार के.एम. पन्निकर	बीकानेर
☆ सी.एस. वेंकटाचारी	जोधपुर	☆ सर टी. विजय राघवाचार्य	उदयपुर

GGD OPD FACTS 172

नागौर दरबार

आयोजन : 3 नवम्बर 1570
आयोजक : मुगल बादशाह अकबर आमेर के शासक भारमल के सहयोग से।
उद्देश्य : अकाल राहत कार्य हेतु

✧ अकबर ने नागौर में शुक्र तालाब का निर्माण करवाया।

अधीनता स्वीकार करने वाले शासक

राव कल्याणमल (बीकानेर) हरराय भाटी (जैसलमेर) सुर्जन हाड़ा (बूंदी)

✧ राव चन्द्रसेन नागौर दरबार में उपस्थित हुए परन्तु अधीनता स्वीकार नहीं की।
✧ 1572 ई. में अकबर ने बीकानेर के रायसिंह को जोधपुर का अधिकारी नियुक्त किया।
✧ 1574 ई. में अकबर ने रायसिंह को चन्द्रसेन के विरुद्ध सैन्य अभियान पर भेजा।

GGD OPD FACTS 173

मारवाड़ से संबंधित उपाधियां व उपनाम

✧ हशमत वाला शासक	राव मालदेव
✧ महान पुरुषार्थी राजकुमार	राव मालदेव (फरिश्ता व उदायूनी ने कहा)
✧ मारवाड़ का प्रताप/अग्रगामी	राव चन्द्रसेन
✧ मारवाड़ का भूला-बिसरा नायक	राव चन्द्रसेन
✧ दलथम्भन	महाराजा गजसिंह (जहांगीर द्वारा)
✧ मारवाड़ का चाणक्य	दुर्गादास राठौड़
✧ मारवाड़ का अणबिन्दिया मोती	दुर्गादास राठौड़
✧ राठौड़ौ का यूलिसैस	दुर्गादास राठौड़
✧ सवाई राजा	सूरसिंह

मारवाड़ के पितृहंता

✧ मारवाड़ का प्रथम पितृहंता राव मालदेव
✧ मारवाड़ का दूसरा पितृहंता बख्तसिंह

इतिहासकार जी.एच. ओझा ने मारवाड़ के अजीतसिंह को 'कान का कच्चा' कहा।

GGD OPD FACTS 174 राजस्थान के प्रमुख संत सम्प्रदाय

	सम्प्रदाय		संस्थापक		प्रधान पीठ
1.	रामस्नेही सम्प्रदाय	-	संत रामचरण जी	-	शाहपुरा
2.	गूदड़ सम्प्रदाय	-	संत दास जी	-	दांतड़ा (शाहपुरा)
3.	निम्बार्क सम्प्रदाय	-	निम्बार्काचार्य	-	सलेमाबाद
4.	अलखिया सम्प्रदाय	-	स्वामी लालगिरी	-	बीकानेर
5.	नवल सम्प्रदाय	-	नवलदास जी	-	जोधपुर
6.	निरंजनी सम्प्रदाय	-	संत हरिदास जी	-	गाढ़ा (डीडवाना-कुचामन)
7.	विश्नोई सम्प्रदाय	-	जाम्भोजी	-	मुकाम गांव
8.	जसनाथी सम्प्रदाय	-	जसनाथ जी	-	कतरियासर
9.	परनामी सम्प्रदाय	-	प्राण नाथ जी	-	पन्ना (एम.पी.)
10.	रामानुज सम्प्रदाय	-	रामानुजाचार्य	-	गलताजी
11.	निष्कलंक सम्प्रदाय	-	संत मावजी	-	साबला
12.	चरणदासी सम्प्रदाय	-	चरणदास जी	-	डेहरा (अलवर)

GGD OPD FACTS 175 मंत्रीपरिषद्

अनु. 164 (2) मंत्रीपरिषद् सामूहिक रूप से राज्य विधानसभा के प्रति तथा व्यक्तिगत रूप से राज्यपाल के प्रति उत्तरदायी होती है।
अनु. 164 (5) - मंत्रियों के वेतन - भत्ते दूसरी अनुसूची में निर्दिष्ट विधानमण्डल विधि द्वारा तय किया जाता है।

राज्य मंत्रिपरिषद् में तीन प्रकार के मंत्री होते है- 1. कैबिनेट मंत्री 2. राज्यमंत्री 3. उपमंत्री

- कैबिनेट मंत्री कैबिनेट की बैठक में भाग लेते है।
- मंत्रिमण्डल में केवल कैबिनेट मंत्री को शामिल किया जाता है।
- राज्यमंत्री कैबिनेट की बैठकों में भाग नही लेते है।
- मुख्यमंत्री द्वारा आमंत्रित किए जाने पर भाग लेते है।
- मंत्रिपरिषद् का उल्लेख मूल संविधान में मिलता है।
- मंत्रिपरिषद् में सभी मंत्री यथा कैबिनेट मंत्री राज्यमंत्री व उपमंत्री आते है।
- मंत्रिमण्डल का उल्लेख मूल संविधान में नही है। 44 वें संविधान संशोधन 1978 द्वारा अनुच्छेद 352 में मंत्रिमण्डल शब्द जोड़ा गया।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 176

मुख्य सचिव

- नियुक्ति - मुख्यमंत्री द्वारा कार्यकाल - कोई निश्चित कार्यकाल नही।
- मुख्य सचिव का पद मुलत: ब्रिटिश शासन की देन है।
- राजस्थान के प्रथम मुख्य सचिव श्री के. राधाकृष्णन थे।
- राजस्थान की प्रथम महिला मुख्य सचिव श्रीमती कुशल सिंह थी।
- सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्य सचिव - श्री भगवत सिंह मेहता
- न्यूनतम कार्यकाल वाले मुख्य सचिव - श्री राजीव स्वरुप
- सबसे अधिक मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल मे रहने वाले मुख्य सचिव - श्री विपिन बिहारी लाल माथुर
- विपिन बिहारी लाल माथुर, श्री हरिदेव जोशी, श्री शिवचरण माथुर, पुन: हरिदेव जोशी व भैरोसिंह शेखावत के काल में मुख्य सचिव रहे।
- **राजस्थान के वर्तमान मुख्य सचिव - श्री सुधांशु पंत**
- **यह 1991 बैंच के IAS अधिकारी है।**
- **भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर भी रहे ।**
- **वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग भारत सरकार के केन्द्रिय सचिव रहे।**

मुख्य सचिव मंत्रिपरिषद का सदस्य न होते हुए भी बैठकों में भाग लेता है। अत: 176 के तहत मुख्य सचिव राज्यपाल का अभिभाषण तैयार करता है।

GGD OPD FACTS 177

राजस्थान में प्रथम first

- राजस्थान की प्रथम पवन ऊर्जा संयंत्र - अमरसागर (जैसलमेर) 5 अप्रैल 2000
- लिग्नाइट आधारित राजस्थान का प्रथम भूमिगत विद्युत संयंत्र - मेड़ता सिटी (नागौर)
- बायोमास आधारित राजस्थान का प्रथम बिजलीघर - पदमपुर (श्रीगंगानगर)
- राजस्थान का प्रथम सरसों की खल पर आधारित बिजलीघर - खेड़ली (अलवर)
- लिग्नाइट पर आधारित राजस्थान का प्रथम बिजलीघर - थुम्बली गांव, शिव (बाड़मेर)
- राजस्थान का प्रथम सुपर थर्मल पॉवर प्लांट - ठुकराणा गांव (सुरतगढ़, श्रीगंगानगर)
- राजस्थान का प्रथम निजी क्षेत्र का सौर बिजलीघर - खींवसर (नागौर)
- प्राकृतिक गैस आधारित प्रथम विद्युत संयंत्र शक्ति परियोजना - रामगढ़ (जैसलमेर)

GGD OPD FACTS 178 — 16 वीं विधानसभा राजस्थान

सर्वाधिक मतों से जीत

विधाधरनगर (जयपुर) विधानसभा क्षेत्र से विजयी **श्रीमती दिया कुमारी** ने सर्वाधिक मतों (71,365) से जीत हासिल की है।

सबसे कम मतों के अंतर से जीत

कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से श्री **हंसराज पटेल** ने सबसे कम मतों (321) के अंतर से जीत हासिल की।

72 विधायक पहली बार चुनकर आए

विधानसभा में 72 विधायक पहली बार चुनकर आए है। इनमें **भाजपा के 46, कांग्रेस के 19 और अन्य 7** विधायक है।

सबसे वरिष्ठ सदस्य

बूंदी विधानसभा क्षेत्र से विधायक **श्री हरिमोहन शर्मा** और किशनगढ़बास से निर्वाचित **श्री दीपचंद खैरिया** विधानसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य है। इन दोनों की आयु 83 वर्ष है।

महिला सदस्य

विधानसभा में **20 महिला सदस्य** चुनकर आई है। इनमें 9 भाजपा, 9 कांग्रेस और 2 निर्दलीय विजयी हुई है।

सबसे युवा सदस्य

शिव (बाड़मेर) विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित **श्री रविंद्र सिंह भाटी** विधानसभा में सबसे युवा सदस्य है। भाटी की आयु 25 वर्ष है।

सबसे कम आयु की महिला विधायक

कामां से निर्वाचित **सुश्री नौक्षम चौधरी** सबसे कम आयु की महिला विधायक है। उनकी आयु 33 वर्ष है।

40 वर्ष से कम आयु के सदस्य

विधानसभा में **28 नवनिर्वाचित** सदस्यों की आयु 40 वर्ष या इससे कम है।

0.96 प्रतिशत ने चुना नोटा

199 सीटों पर हुए मतदान में 3,82,066 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना, जो कुल मतदान का 0.96 प्रतिशत है।

झाड़ोल में सबसे ज्यादा नोटा

इस बार के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की झाड़ोल विधानसभा सीट पर सर्वाधिक 6,488 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना।

स्रोत - राजस्थान न्यूज़ पत्रिका

GGD OPD FACTS 179 — राजस्थान के कंजर्वेशन रिज़र्व

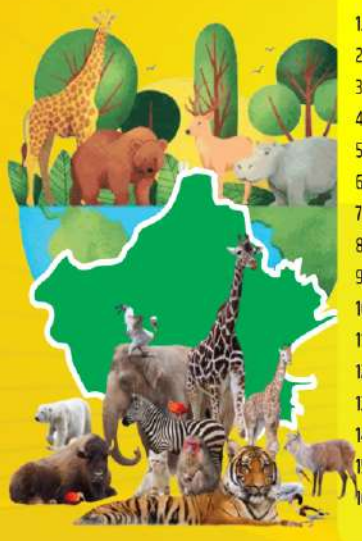

संरक्षित क्षेत्र का नाम	जिला
1. बीसलपुर कन्जर्वेशन रिजर्व	केकड़ी
2. जोड़बीड़ गढ़वाला कन्जर्वेशन रिजर्व	बीकानेर
3. सुन्धामाता कन्जर्वेशन रिजर्व	जालौर, सिरोही
4. गुढ़ा बिश्नोइयान कन्जर्वेशन रिजर्व	जोधपुर ग्रामीण
5. शाकम्भरी कन्जर्वेशन रिजर्व	सीकर, झुंझुनूँ
6. गोगेलाव कन्जर्वेशन रिजर्व	नागौर
7. बीड़ झुंझुनूँ कन्जर्वेशन रिजर्व	झुंझुनूँ
8. रोटू कन्जर्वेशन रिजर्व (राज्य का सबसे छोटा कंजर्वेशन रिजर्व)	नागौर
9. उम्मेदगंज पक्षी विहार कन्जर्वेशन रिजर्व	कोटा
10. जवाई बाँध लेपर्ड कन्जर्वेशन रिजर्व	पाली
11. बांसियाल-खेतड़ी कंजर्वेशन रिजर्व	नीम का थाना
12. बांसियाल-खेतड़ी बागोर कंजर्वेशन रिजर्व	नीम का थाना
13. जवाई बाँध लेपर्ड कन्जर्वेशन रिजर्व - 2	पाली
14. मनसा माता कन्जर्वेशन रिजर्व	नीम का थाना
15. शाहबाद कन्जर्वेशन रिजर्व (राज्य का सबसे बड़ा कंजर्वेशन रिजर्व)	बाराँ
16. रणखार कन्जर्वेशन रिजर्व, चितलवाना तहसील, सांचौर गुजराती जंगली गधे घुड़खर (इक्वस हेमियोनस खुर) के लिए यह प्रसिद्ध है।	सांचौर
17. शाहबाद तलहटी कन्जर्वेशन रिजर्व	बाराँ
18. बीड़ घास फूलिया खूर्द कन्जवेशन रिजर्व, फूलिया खुर्द पंचायत समिति, शाहपुरा	शाहपुरा
19. बाघदर्रा क्रोकोडाइल कन्जर्वेशन रिजर्व, लकड़वास ग्राम, गिर्वा तहसील	उदयपुर
20. बीड़-वाड़ाखेड़ा वनखंड	सिरोही
21. झालाना-आमागढ़	जयपुर
22. रामगढ़ कुंजी सुनवास	बाराँ
23. अरवर गाँव	अजमेर
24. सोरसन-1	बाराँ
25. सोरसन-2	बाराँ
26. सोरसन-3	बाराँ
27. हमीरगढ़	भीलवाड़ा
28. खीचन गाँव (डोमिसिल क्रेन कुरजाँ के लिए देश का पहला कंजर्वेशन रिजर्व)	फलौदी
29. बाँझ आमली	बाराँ

वर्तमान में राजस्थान में कंजर्वेशन रिज़र्व की संख्या 36 है

GGD OPD FACTS 180

जयसमंद झील

स्थिति	-	सलूम्बर
निर्माण	-	जयसिंह द्वारा (1685-1691 के मध्य)
प्राचीन नाम	-	ढ़ेबर झील
उपनाम	-	जलचरों की बस्ती
कुल टापू	-	07
सबसे बड़ा टापू	-	बाबा का भागड़ा
सबसे छोटा टापू	-	प्यारी

- यह एक अन्त: प्रवाही झील है।
- इस झील में गोमती व उसकी सहायक नदियों का पानी आता है।
- इस झील से 'श्यामपुरा' व 'भाट' नामक दो नहरें निकाली गई है।
- राजस्थान की सबसे बड़ी कृत्रिम झील व राज्य की
- सबसे बड़ी मीठ पानी की झील है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 181

राजस्थान एकीकरण के समय प्रमुख रियासतें एवं उनके शासक

क्र. सं.	रियासत	शासक
1.	मेवाड़	भूपालसिंह
2.	मारवाड़	हनुवंतसिंह
3.	जयपुर	सवाई मानसिंह द्वितीय
4.	बीकानेर	सार्दुलसिंह
5.	कोटा	भीमसिंह
6.	धौलपुर	उदयभान सिंह
7.	सिरोही	अभयसिंह
8.	शाहपुरा	सुदर्शन देव
9.	टोंक	अज़ीज़ुदौला

क्र. सं.	रियासत	शासक
10.	भरतपुर	बृजेन्द्र सिंह
11.	अलवर	तेजसिंह
12.	करौली	गणेशपाल देव
13.	बांसवाड़ा	चन्द्रवीर सिंह
14.	डूंगरपुर	लक्ष्मणसिंह
15.	प्रतापगढ़	प्रतापसिंह
16.	झालावाड़	हरीश बहादुर
17.	बूंदी	बहादुर सिंह
18.	किशनगढ़	सुमेरसिंह
19.	जैसलमेर	रघुनाथ सिंह

प्रमुख ठिकाने

1. नीमराणा राजेन्द्र सिंह
2. लावा बदसंदीप सिंह
3. कुशलगढ़ हरेन्द्र सिंह

केन्द्रशासित प्रदेश:
अजमेर-मेरवाड़ा (ब्रिटिश नियंत्रण)

GGD OPD FACTS 182

बारां

निर्माण
नागवंशीय शासकों द्वारा

प्राचीन नाम
कोशवर्द्धन दुर्ग

पहाड़ी
कोशवर्द्धन पहाड़ी

धौलपुर

निर्माण
कुषाण वंश के शासनकाल में मालदेव ने करवाया।

उपनाम
दक्खिन का द्वारगढ़

पुन: निर्माण
पहली बार देवीपाल द्वारा (पाल वंश)
दूसरी बार शेरशाह सूरी द्वारा (1540 ई. में)

- यह दुर्ग परवन नदी के किनारे स्थित है।
- शेरशाह सूरी ने इस दुर्ग का नाम बदलकर शेरगढ़ दुर्ग नाम रखा।
- मुगल बादशाह फर्रुखशियर ने यह दुर्ग कोटा के शासक भीमसिंह को दिया।
- अमीर खां पिण्डारी को अंग्रेजों के विरुद्ध जालिमसिंह ने इस दुर्ग में शरण दी।
- जालिम सिंह ने इस दुर्ग में झालाओं की हवेली का निर्माण करवाया।
- शेरशाह सूरी ने इस दुर्ग का नाम शेरगढ़ दुर्ग रखा।
- दुनडुंकार तोप महाराजा कीरतसिंह द्वारा निर्मित दुनडुंकार तोप इसी दुर्ग में है।
- इसी दुर्ग में मीर सैयद की दरगाह है जिसका निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया।
- मुगलों ने इस दुर्ग का उपयोग फौजी चौकी के रूप में किया।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 183 आदित्य L-1 मिशन

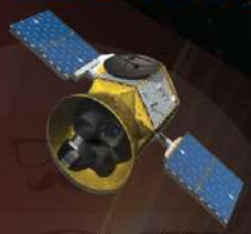

लांच 2 सितम्बर 2023
स्थान सतीश धवन स्पेस सेन्टर श्रीहरिकोटा, आंध्रप्रदेश
रॉकेट - PSLVXLCS7

आदित्य L-1 के साथ भेजे गए 7 पेलोड

VELC	-	विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ
SUIT	-	सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप
ASPEX	-	आदित्य सोलर विण्ड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट
PAPA	-	प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य
SOLEXS	-	सोलर नो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर
HEL1OS	-	हाई एनर्जी L-1 ऑर्बिट एक्स रे स्पेक्ट्रोमीटर
MAG	-	ट्राई एक्सियल हाई रेजोल्यूशन डिजीटल मैग्नोमीटर

- पृथ्वी से L-1 बिंदु की दूरी — 1.5 मिलियन किमी.
- आदित्य L-1 मिशन की अवधि — लगभग 5.2 वर्ष
- आदित्य L- 1 मिशन के प्रधान वैज्ञानिक — डॉ. शंकर सुब्रमण्यम के निगार शाजी
- आदित्य L-1 मिशन के प्रोजेक्ट निदेशक
- आदित्य L-1 मिशन का कुल द्रव्यमान — 1475 किग्रा.
- आदित्य L- 1 मिशन के पेलोड का द्रव्यमान — 244 किग्रा.

नोट:
- आदित्य L-1 में L का तात्पर्य लैग्रेंज बिंदु से है।
- स्थापित - 06 जनवरी 2024
- आदित्य L-1 सूर्य पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियम प्वाइंट (L-1) के पास हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया गया।
- आदित्य L-1 को शुरुआत में आदित्य- 1 नाम दिया गया।
- आदित्य L-1 के साथ भेजे गए पेलोड 07

च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 184

17 वां प्रवासी भारतीय दिवस

प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी

मनाने की घोषणा वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा

पहली बार मनाया 9 जनवरी 2003 को 9 जनवरी 1915 ई. को महात्मा गांधी के मुम्बई आगमन के उद्देश्य से ही 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।

प्रवासी भारतीय सम्मेलन हर दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
(वर्ष 2003 से 2015 तक हर वर्ष आयोजित कर किया जाता था लेकिन 2015 से संशोधन कर यह सम्मेलन दो वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है)

- पहला प्रवासी भारतीय सम्मेलन 9-11 जनवरी 2003 को नई दिल्ली में आयोजित हुआ
- 17 वां प्रवासी भारतीय सम्मेलन 8-10 जनवरी 2023 को इंदौर में आयोजित हुआ

आयोजन - 8-10 जनवरी 2023
आयोजन स्थल - इंदौर (मध्यप्रदेश)
थीम - प्रवासी: अमृतकाल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार
आयोजन - तीन खण्ड में

पहला चरण - 8 जनवरी 2023
अतिथि - सुश्री जनेटा मैस्करेनहास सांसद, ऑस्ट्रेलिया

द्वितीय चरण - 9 जनवरी 2023
उद्घाटन - श्री नरेन्द्र मोदी (प्रधानमंत्री)
मुख्य अतिथि - मोहम्मद इरफान अली (राष्ट्रपति, गुयाना सहकारी गणराज्य)
अतिथि - चंद्रिका प्रसाद संतोखी

तीसरा चरण - 10 जनवरी 2023
समापन समारोह - राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 185

प्रमुख राजस्थान चित्रकार

1. गांवों का चितेरा - भूरसिंह शेखावत
2. भीलों का चितेरा - गोवर्धन लाल
3. नीड़ का चितेरा - सौभाग्यमल गहलोत
4. भैंसों का चितेरा - परमानंद चोयल
5. पत्थरों का चितेरा - अर्जुन प्रजापति
6. श्वानों का चितेरा - जगमोहन माथोड़िया
7. कैनवास का चितेरा - नाथूलाल वर्मा
8. कैनवास की चितेरी - श्रीमती प्रतिभा पाण्डे
9. कावड़ का चितेरा - मांगीलाल मिस्त्री
10. प्रकृति का यथार्थ चितेरा - समंदर सिंह खंगारोत
11. जैन चित्रशैली का चितेरा - कैलाशचन्द्र वर्मा
12. राई के दाने पर मीरा का चित्रांकन - किशन शर्मा
13. चंदन का चितेरा - पवन जांगिड़

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 186

राष्ट्रीय युवा दिवस

राष्ट्रीय युवा दिवस - 12 जनवरी
मनाने की घोषणा - 1984 ई. में
प्रथम बार मनाया - 12 जनवरी 1985
राष्ट्रीय युवा दिवस 2024 थीम - इट्स ऑल इन द माइंड (सब कुछ आपके दिमाग में है।)
राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024 (27 वां) - नासिक (महाराष्ट्र)
राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर कैरियर डे मनाया जाता है।

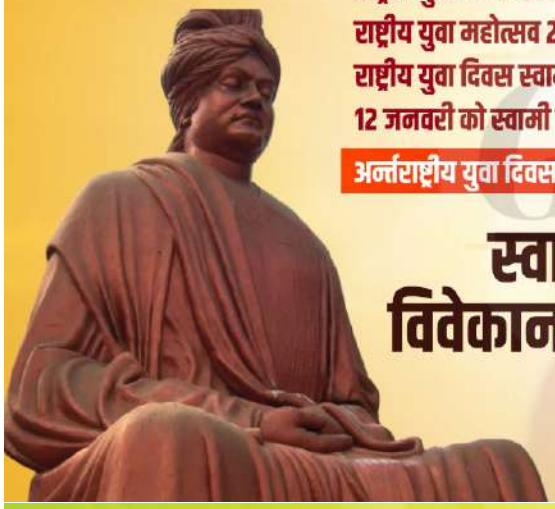

अर्न्तराष्ट्रीय युवा दिवस - 12 अगस्त

स्वामी विवेकानन्द

जन्म - 12 जनवरी 1863 ई., कलकत्ता (बंगाल)
बचपन का नाम - नरेन्द्र नाथ दत्त
पिता का नाम - विश्वनाथ दत्त
माता का नाम - भुवनेश्वरी देवी
गुरु का नाम - रामकृष्ण परमहंस

स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो मे 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था

GGD OPD FACTS 187

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती

- जन्म - 1143, सीस्तान (फारस)
  1192 में मोहम्मद गोरी के साथ भारत आए
- पिता - ख्वाजा गियासुद्दीन हसन
- माता - साहेनूर
- गुरु - उस्मान हारूनी
- सिलसिला - चिश्ती
- उपनाम - गरीब नवाज
- उर्स - पहली से छठी रज्जब तक

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह

- स्थान - अजमेर
- अन्य नाम - भारत का मक्का, दुसरा मक्का
- दरगाह का निर्माण प्रारम्भ - इल्तुतमिश द्वारा
- दरगाह का निर्माण पूर्ण - हुमायूं के काल में,
- गुम्बद - गयासुद्दीन खिलजी द्वारा
- पक्की मजार निर्माण - गयासुद्दीन मो. खिलजी
- जामा मस्जिद - शाहजहाँ द्वारा (2 लाख 40 हजार खर्च)
- बुलंद दरवाजा - महमूद खिलजी/गयासुद्दीन खिलजी
  (प्रारंभ महमूद खिलजी द्वारा, पूर्ण व अन्य कार्य गयासुद्दीन खिलजी द्वारा)
- ऊँचाई - 75 फीट
- बड़ी देग - अकबर द्वारा (1567)
- छोटी देग - जहांगीर द्वारा (1613)
- निजाम द्वार - हैदराबाद निजाम मीर उस्मान अली खान द्वारा
- मुख्य मजार का द्वार - जहाआरा द्वारा (बेगम दालान-बरामदा)
- पहली बार आने वाला सुल्तान - मुहम्मद बिन तुगलक
- विक्टोरिया टैंक (हौज) - रानी मैरी की यात्रा के अवसर पर ब्रिटिश सरकार द्वारा

GGD OPD FACTS 188

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023

पुरस्कार वितरण समारोह

संस्करण	- 8 वां
आयोजन	- 11 जनवरी 2024
आयोजन स्थल	- भारत मंडपम कन्वेंशन सेण्टर (नई दिल्ली) (आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा)

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में **राजस्थान को स्थान 25 वाँ**
नोट: 2022 में राजस्थान का 8 वां स्थान था।

एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सूची में राजस्थान के शहर

जयपुर हेरिटेज	- 171 वीं (2023) (4685.50) 26 वीं (2022) राजस्थान में प्रथम
जयपुर ग्रेटर	- 173 वीं (2023) (4679.60) 33 वीं (2022)
उदयपुर	- 206 वीं (4230.20)
जोधपुर दक्षिण	- 210 वीं (4106.40)

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में एक लाख से कम आबादी वाले शहरों की सूची में राजस्थान की स्थिति

डूंगरपुर	- 551 वीं रैंक (5413.8) राजस्थान में प्रथम
नाथद्वारा	- 561 वीं रैंक (5384.5)

देश में राज्यों की रैंकिंग

कुल भाग लेने वाले राज्य	27
प्रथम स्थान	महाराष्ट्र
द्वितीय स्थान	मध्यप्रदेश

एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की स्थिति

प्रथम स्थान	सासवाड (महाराष्ट्र)
द्वितीय स्थान	पाटन (छत्तीसगढ़)
तृतीय स्थान	लोनावला (महाराष्ट्र)

गंगा किनारे स्वच्छ शहरों की सूची

प्रथम स्थान	वाराणसी
द्वितीय स्थान	प्रयागराज
बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर	चण्डीगढ़
देश की सबसे स्वच्छ राजधानी	भोपाल

स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार की शुरुआत 2016
स्वच्छता सर्वेक्षण में वर्ष 2023 का विषय - वेस्ट टू हेल्थ
स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 का विषय - रिड्यूस, रीयूज व रिसाइकल (3 R)

कचरा मुक्त शहरों में राजस्थान से तीन शहर शामिल थे जिनमें डूंगरपुर को थ्री स्टार रैंक व नाथद्वारा व उदयपुर को वन स्टार रैंक मिली

एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर व सूरत को संयुक्त रुप से पहला स्थान मिला इंदौर को 7 वीं बार पहला स्थान प्राप्त हुआ

GGD OPD FACTS 189

मकर सक्रांति

- मकर सक्रांति - 14 जनवरी
- इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है।
- मकर सक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से अपनी दिशा बदलकर उत्तरायण हो जाता है।
- इस दिन सूर्य की पूजा, दान पुण्य व बहुओं द्वारा रुठी सास को मनाने की परम्परा है।
- मकर सक्रांति के पर्व पर सुहासिनियों को 13 वस्तुएं दान दी जाती है, जिसे तेरुन्दा कहा जाता है।
- मकर सक्रांति के दिन लोग जयपुर के गलताजी धार्मिक सरोवर में स्नान करते है।
- इस दिन जयपुर में पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

नोट: जैसलमेर पतंग महोत्सव का आयोजन फरवरी माह में होता है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 190

ऊंट उत्सव

आयोजन	12 से 14 जनवरी 2024
आयोजन स्थल	बीकानेर
थीम	आइकंस ऑफ बीकानेर

बीकानेर सेना के पास "गंगा रिसाला" नामक एक कैमल कॉर्प थी जिन्होने दोनो विश्व युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय ऊंट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

- **वैज्ञानिक नाम** - कैमेलस ड्रोमोडेरियस
- **भारत में सर्वाधिक ऊंटों वाला राज्य** - राजस्थान
- **ऊंट की नस्लें** - गोमठ, बीकानेरी, जैसलमेरी, नाचना, अलवरी, कच्छी, सिंधी
- **केन्द्रिय ऊंट अनुसंधान केन्द्र** - जोहड़बीड़ (बीकानेर)
- **स्थापना** 5 जुलाई 1984
- **भारत की पहली कैमल मिल्क डेयरी** जोहड़बीड़
- **ऊंट की कुर्बानी के लिए प्रसिद्ध महल** मुबारक महल (टोंक)

मिस्टर बीकाणा	- श्रीकांत व्यास	मिसेज मरवण	- आशा आचार्य
मिस मरवण	- हषिता मारु	ढ़ोला मरवण	- सूर्य प्रकाश पुरोहित

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 191

गुरु गोविंद सिंह जयंती (17 जनवरी)

- जन्म - पटना (बिहार) पौष शुक्ल सप्तमी
- गुरु गोविंद सिंह जयंती हिंदी महिनों के पौष शुक्ल सप्तमी को मनाई जाती है।
- गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के दसवें व अंतिम गुरु थे।
- गुरु गोविंद सिंह ने 1699 ई. में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की।
- सिक्खों को पंचमकार (केश, कंघा, कड़ा, कृपाण और कच्छा) धारण करने के आदेश दिए
- बहादूर शाह प्रथम ने गोविंद सिंह को 5000 का मनसब दिया।
- गुरु गोविंद सिंह ने एक पूरक ग्रंथ 'दसवें' बादशाह का ग्रंथ' का संकलन किया।
- गुरु गोविंद सिंह की आत्मकथा विचित्र नाटक

गुरु गोविंद सिंह द्वारा रचित पुस्तकें

चण्डी चरित्र	चण्डी द वार
जपजी साहिब	अकाल उस्तात
कृष्णावतार	रामअवतार
उकट विलास	पखयान चरित्र

शास्त्र नाम माला पुराण

- गुरु गोविंद सिंह ने चरण पाहुल के स्थान पर खाण्डे का पाहुल प्रथा आरम्भ की।
- पंच प्यारे गुरु गोविंद सिंह के पांच प्रिय शिष्य दया सिंह, धर्म सिंह, मोखम सिंह साहिब सिंह व हिम्मत सिंह थे।
- गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के नौवें गुरु तेग बहादूर के पुत्र थे।

GGD OPD FACTS 192 राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023

खेल रत्न

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रंकीरेड्डी

अर्जुन अवॉर्ड

ओजस प्रवीण देवतले	तीरंदाज	नसरीन	कबड्डी खो-खो		
अदिति गोपीचंद स्वामी	तीरंदाज	पिंकी	लॉन बॉल		
मुरली श्रीशंकर	एथलीट	ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर	शूटिंग		
पारुल चौधरी	एथलीट	ईशा सिंह	शूटिंग		
मोहम्मद हुसामुद्दीन	मुक्केबाजी	हरिंदर पाल सिंह संधू	स्क्वैश		
आर. वैशाली	शतरंज	अहिका मुखर्जी	टेबल टेनिस		
मोहम्मद शमी	क्रिकेटर	सुनील कुमार	कुश्ती		
अनुश अग्रवाल	घुड़सवार	अंतिम पंघाल	कुश्ती		
दिव्य कृति	घुड़सवारी ड्रेसेज	नाओरेम रोशिबिना देवी	वुशु		
दीक्षा डागर	गोल्फ	शीतल देवी	पैरा आर्चर		
कृष्ण बहादुर पाठक	हॉकी	इलुरी अजय कुमार रेड्डी	नेत्रहीन क्रिकेट		
सुशीला चानू	हॉकी	प्राची यादव	पैरा कैनोइंग		
पवन कुमार रितु नेगी	कबड्डी				

द्रोणाचार्य अवॉर्ड

ललित कुमार	कुश्ती
आरती रमेश	शतरंज
महावीर प्रसाद सैनी	एथलीट
शिवेंद्र सिंह	हॉकी
गणेश प्रभाकर देवरुखकर	मलखंभ

द्रोणाचार्य अवॉर्ड

जसकीरत सिंह ग्रेवाल	गोल्फ
भास्करन ई	कबड्डी
जयंत कुमार	टेबल टेनिस

ध्यानचंद अवॉर्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट

मंजूषा कंवर	बैडमिंटन
विनीत कुमार शर्मा	हॉकी
कविता सेल्वराज	कबड्डी

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी 2023

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर	ओवरऑल विनर
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब	फर्स्ट रनर अप
कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र	सेकंड रनर-अ

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 193

- मंदिर परम्परागत **नागर शैली में निर्मित**
- **मंदिर की लम्बाई** (पूर्व-पश्चिम) 380 फीट, **चौड़ाई** 250 फीट एवं **ऊँचाई** 161 फीट
- **तीन मंजिला मंदिर,** प्रत्येक मंजिल की ऊँचाई 20 फीट, कुल 392 खम्भे, 44 दरवाजे।
- **भूतल गर्भगृह** -प्रभु श्रीराम के बाल रूप का विग्रह, प्रथम तल गर्भगृह-श्रीराम दरबार।
- **कुल पांच मंडप**-नृत्य मंडप, रंग मंडप, गूढ़ मंडप (सभा मंडप), प्रार्थना मंडप, कीर्तन मंडप।
- खम्भे, दीवारों में **देवी-देवता तथा देवांगनाओं की मूर्तियाँ।**
- प्रवेश पूर्व से, **32 सीढ़ियाँ** (ऊँचाई 16.5 फीट चढ़कर सिंहद्वार से होगा।
- दिव्यांगजन तथा वृद्धों के लिए **रैम्प एवं लिफ्ट की व्यवस्था**
- **चारों ओर आयताकार परकोटा** (प्राकार) - लम्बाई 732 मीटर, चौड़ाई 4.25 मीटर, परकोटा के **चार कोनों पर चार मंदिर**
- भगवान सूर्य, शंकर, गणपति, देवी भगवती, परकोटे की दक्षिणी भुजा में हनुमान एवं उत्तरी भुजा में अन्नपूर्णा माता का मंदिर
- मंदिर के **दक्षिणी भाग में पौराणिक सीताकूप**
- परकोटा के बाहर दक्षिणी दिशा में **प्रस्तावित मंदिर-** महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ,
- महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी एवं देवी अहिल्या।
- **दक्षिणी-पश्चिमी भाग** में नवरत्न कुबेर टीले पर स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार एवं रामभक्त जटायु राज प्रतिमा की स्थापना।

GGD OPD FACTS 194 राजस्थान साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023-24

पुरस्कार	पुरस्कृत व्यक्ति	संबंध	रचना
मीरां पुरस्कार	रतन कुमार सांभरिया	जयपुर	सांप (उपन्यास)
रांगेय राघव पुरस्कार	पुरुषोत्तम पोमल	जालोर	पाषाण पुत्री क्षत्राणी हीरा दे (उपन्यास)
कन्हैयालाल सहल पुरस्कार	राघवेन्द्र रावत	जयपुर	मारक लहरों के बीच (डायरी)
सुधीन्द्र पुरस्कार	चेतन औदित्य	उदयपुर	पानी (कविता संग्रह)
देवराज उपाध्याय पुरस्कार	हरीश बी.शर्मा	बीकानेर	प्रस्थान बिंदू
नाटक विधा का देवीलाल सामर पुरस्कार	रासबिहारी गौड़, अजमेर	अजमेर	गांधी जिंदा है
बाल साहित्य का शंभूदयाल सक्सेना पुरस्कार	रोचिका अरुण शर्मा	कोटा (हाल चेन्नई)	किताबों से बातें
प्रथम कृति सुमनेश जोशी पुरस्कार	बिलाल पठान	उदयपुर	अब पेड़ फल बेचेंगे

नोट: राजस्थान साहित्य अकादमी के सम्मान परम्परा का सर्वोच्च सम्मान साहित्य मनीषी सम्मान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष वेद व्यास को दिया गया। इसके तहत दो लाख इक्यावन हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। यह तीन वर्ष की अवधि में एक साहित्यकार को दिया जाता है। 2023-24 का जनार्दन राय सम्मान डॉ. रणजीत को दिया गया। इसके तहत 10000 रुपये दिये जाते है।

JOIN FASTEST GROWING FREE EDUCATION CHANNEL

GGD OPD FACTS 195

बीकानेर संभाग
- ☆ न्यूनतम नदियों वाला संभाग
- ☆ सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या संभाग
- ☆ राजस्थान का सबसे उत्तरी संभाग
- ☆ ऐसा संभाग जिसके 3 जिले अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है।
- ☆ घग्घर नदी के बहाव में स्थित संभाग।

सीकर संभाग
- ☆ शेखावाटी उपनाम से प्रसिद्ध
- ☆ तोरावाटी बेसिन क्षेत्र
- ☆ सर्वाधिक सैनिक मतदाताओं वाला संभाग
- ☆ सर्वाधिक गर्म व ठण्ड़ा संभाग

जयपुर संभाग
- ☆ जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग
- ☆ 7 जिलों वाला संभाग
- ☆ ढूंढ़ाड़ उपनाम से प्रसिद्ध संभाग
- ☆ सर्वाधिक दुर्गों वाला संभाग

जोधपुर संभाग
- ☆ क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग
- ☆ सबसे न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला संभाग
- ☆ न्यूनतम वर्षा वाला संभाग
- ☆ सबसे पश्चिमी संभाग
- ☆ सबसे शुष्क संभाग

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 196 श्री राम मंदिर, अयोध्या

मंदिर भूमि पूजन	5 अगस्त 2020
रामलला प्राण प्रतिष्ठा	22 जनवरी 2024

मुख्य मंदिर की विशेषताएं -

कुल क्षेत्रफल	2.7 एकड़
कुल निर्मित क्षेत्र	57,400 वर्ग फीट
मंदिर की कुल लंबाई	380 फीट
मंदिर की कुल चौड़ाई	250 फीट
शिखर सहित कुल ऊंचाई	161 फीट
मंजिलों की कुल संख्या	3
प्रत्येक मंजिल की ऊंचाई	20 फीट
मंदिर के भूतल में स्तंभ	166
मंदिर के प्रथम तल में स्तंभ	136
मंदिर की दूसरी मंजिल में स्तंभ	90
मंदिर में कुल स्तंभ	392
मंदिर में चबूतरे एवं मंडपों की संख्या (नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप, कीर्तन मंडप)	5
मंदिर में कुल द्वारों की संख्या	44
मंदिर परिसर कुल क्षेत्रफल	70 एकड़

- मंदिर परम्परागत नागर शैली में निर्मित
- भूतल गर्भगृह-प्रभु श्रीराम के बाल रूप (श्रीरामलला) का विग्रह,
- प्रथम तल गर्भगृह- श्रीराम दरबार।
- खम्भे, दीवारों में देवी-देवता तथा देवांगनाओं की मूर्तियाँ।
- प्रवेश पूर्व से, 32 सीढ़ियाँ (ऊँचाई 16.5 फीट चढ़कर सिंहद्वार से होगा।
- दिव्यांगजन तथा वृद्धों के लिए रैम्प एवं लिफ्ट की व्यवस्था
- चारों ओर आयताकार परकोटा (प्राकार) लम्बाई 732 मी., चौड़ाई 4.25 मी.
- परकोटा के चार कोनों पर चार मंदिर - भगवान सूर्य, शंकर, गणपति, देवी भगवती,
- परकोटे की दक्षिणी भुजा में हनुमान
- परकोटे की उत्तरी भुजा में अन्नपूर्णा माता का मंदिर
- मंदिर के दक्षिणी भाग में पौराणिक सीताकूप
- परकोटा के बाहर दक्षिणी दिशा में प्रस्तावित मंदिर- महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी एवं देवी अहिल्या।
- दक्षिणी-पश्चिमी भाग में नवरत्न कुबेर टीले पर स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार एवं रामभक्त जटायु राज प्रतिमा की स्थापना।

मंदिर निर्माणकर्ता

प्रबंधन	- श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट
निर्माण कंपनी	- लार्सन एंड टर्बो
मंदिर निर्माण शैली	- नागर शैली
वास्तुकार	- चंद्रकांत बी. सोमपुरा और 2 बेटे (निखिल, आशीष सोमपुरा)
निर्माण लागत	- 1400-1800 करोड़ (अनुमानित)
मूर्तिकार	- अरुण योगीराज (मैसूर) गणेश भट्ट और सत्यनारायण पैगे राम मंदिर ट्रस्ट
महासचिव	- चंपत राय

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 197 राजस्थान की संभागीय व्यवस्था PART-2

पाली संभाग
- अरावली की सर्वाधिक ऊँचाई संभाग
- राज्य का पहला रोपवे
- मेहंदी के लिये प्रसिद्ध

उदयपुर संभाग
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या वाला संभाग
- बंगाल की खाड़ी व अरब सागर में जाने वाली नदियों के विभाजन वाला संभाग
- सबसे प्राचीन राजवंश वाला संभाग
- सबसे ज्यादा मीठे पानी की झीलों वाला संभाग

बांसवाड़ा संभाग
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग
- केवल एक संभाग से सीमा रखने वाला संभाग
- न्यूनतम जिलों वाला संभाग
- राज्य का दक्षिणतम संभाग
- मानसून को प्रवेश वाला संभाग

विशेष

26 जनवरी 1987 को तत्कालीन हरिदेव जोशी सरकार द्वारा राज्य में पुनः संभागीय व्यवस्था बहाल की गई तथा उन्होंने अजमेर को जयपुर से पृथक् कर राज्य का छठा संभाग बनाया। 4 जून, 2005 को वसुंधरा सरकार द्वारा भरतपुर को राज्य का सातवां संभाग बनाया गया। गहलोत सरकार ने 7 अगस्त 2023 को विधिवत् रूप से तीन नये संभागों - पाली, सीकर, बाँसवाड़ा का निर्माण कर राज्य में अब 10 संभाग बना दिये

भरतपुर संभाग
- सबसे कम लिंगानुपात वाला संभाग
- पूर्वी राजस्थान का प्रवेश द्वार
- ब्रज व कृष्ण भगवान से प्रभावित

कोटा संभाग
- सर्वाधिक नदियाँ वाला संभाग
- हाड़ौती उपनाम से प्रसिद्ध
- सर्वाधिक आर्द्र संभाग
- सर्वाधिक सहरिया जनजाति
- सर्वाधिक साक्षरता वाला संभाग
- सर्वाधिक नदियों वाला संभाग

विशेष
- राज्य में जयपुर और अजमेर दो ऐसे संभाग जिनमें सर्वाधिक (7-7) जिले है।
- वही बाँसवाड़ा संभाग के न्यूनतम केवल 3 जिले है।

राजस्थान में संभागीय व्यवस्था पहली बार 30 मार्च, 1949 हीरालाल शास्त्री के शासनकाल में शुरू की गई। राजस्थान के एकीकरण के समय वर्ष 1956 तक राज्य में 5 संभाग थे जो जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर, कोटा थे। वर्ष 1962 में अप्रैल माह में मोहनलाल सुखाड़िया सरकार द्वारा प्रदेश में संभागीय व्यवस्था समाप्त कर दी गई